Ans. (b) प्रश्नकाल के दौरान राजस्थान में मृग वनों की संख्या 6 थी किंतु वर्तमान में राज्य में मृग वनों की संख्या 7 है।

	मृगवन	-	स्थापना वर्ष
1.	पुस्कर	-	1985
2.	अशोक विहार (जयपुर -		1986
3.	माचिया सफारी (जोधपुर)	-	1985
4.	चित्तौड़गढ़	-	1969
5.	संजय उद्यान मृगवन, शाहपुर (जयपुर)	-	1986
6.	सज्जनगढ़ मृगवन, उदयपुर	-	1984
7.	अमृता देवी मृगवन जोधपुर	-	

1981. राजस्थान के कुल क्षेत्रफल कितने प्रतिशत भू-भाग पर वनों का विस्तार है (मार्च-2011)-

(a) 9.49 (b) 9.55
(c) 10.21 (d) 7.68

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016
JEN Diploma (Mechanical)- 2016

Ans. (b) प्रश्नकाल के दौरान राजस्थान में 9.55% वन क्षेत्र था। भारतीय वन सर्वेक्षण द्वारा जारी इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट - 2021 में राजस्थान में लगभग 32864.62 वर्ग किलोमीटर का वन क्षेत्र दर्ज किया गया है। यह वन क्षेत्र राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 9.60% है। राजस्थान में वनों की स्थिति-

- आरक्षित वन - 12,176.24 वर्ग किमी.
- संरक्षित वन - 18564.45 वर्ग किमी.
- अवर्गीकृत वन - 2123.93 वर्ग किमी.

1982. भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, द्विपक्षीय मूल्यांकन अवधि 2013-15 में राज्य के वनाच्छादित क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई -

(a) 100 वर्ग किमी. की (b) 85 वर्ग किमी. की
(c) 150 वर्ग किमी. की (d) 500 वर्ग किमी. का

LDC Exam 09.08.2018

Ans. (b) भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार द्विपक्षीय मूल्यांकन अवधि 2013-15 में राज्य के वनाच्छादित क्षेत्र में 85 वर्ग किमी. की वृद्धि दर्ज की गई। वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2021 के अनुसार देश में कुल वन और वृक्षों से भरे क्षेत्र में 2,261 वर्ग किमी. की बढ़ोत्तरी हुई है।

1983. अरावली वनरोपण परियोजना आरम्भ की गई -

(a) 1995-96 (b) 2001-02
(c) 1992-93 (d) 2007

LDC Exam 09.08.2018
अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 Ex. Dt. 27-12-2020

Ans. (c) अरावली वृक्षारोपण परियोजना 1992-93 में आरम्भ की गई। अरावली क्षेत्र को हरा भरा करने के लिए जापान सरकार (OECF-Overseas Economic Co. Fund) के सहयोग से यह परियोजना 10 जिलों (अलवर, जयपुर, नागौर, झुंझुनूं, पाली, सिरोही, उदयपुर, बांसवाड़ा, दौसा, चित्तौड़गढ़) में 31 मार्च, 2000 तक चलाई गई।

1984. राजस्थान के दक्षिणी भाग में 250 से 450 मी. की ऊँचाई पर सर्वाधिक संख्या में पाए जाने वाला वृक्ष है-

(a) सागवान (b) सालर
(c) धोकड़ा (d) पलाश

LDC Exam 12.08.2018

Ans. (a) राजस्थान के दक्षिणी भाग में 250 से 450 मीटर की ऊँचाई पर सर्वाधिक संख्या में सागवान के वृक्ष पाये जाते हैं। राजस्थान में सागवान के सर्वाधिक वन बांसवाड़ा जिले में पाये जाते हैं। इसके अतिरिक्त चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, उदयपुर में भी सागवान के वृक्ष मिश्रित रूप में पाये जाते हैं।

1985. निम्नांकित वन श्रेणियों में से राजस्थान में किसके अन्तर्गत सर्वाधिक प्रतिशत क्षेत्र आवृत्त है?

(a) निजी वन (b) अवर्गीकृत वन
(c) आरक्षित वन (d) संरक्षित वन

LDC Exam 09.09.2018

Ans. (d) राजस्थान में संरक्षित वन श्रेणी का सर्वाधिक प्रतिशत क्षेत्र है। राजस्थान में संरक्षित वन श्रेणी के अन्तर्गत लगभग 56-0.08 प्रतिशत हिस्सा आता है। सर्वाधिक संरक्षित वन बारां जिले में है।

1986. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से कौन सा न्यूनतम प्रतिशत वन क्षेत्र वाला है?

(a) जैसलमेर (b) बाराँ
(c) चुरु (d) नागौर

LDC Exam 16.09.2018
लवण निरिक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018
कनिष्ट वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा -2019

Ans. (c) राजस्थान का चुरू जिला (77.69 वर्ग किमी.) न्यूनतम प्रतिशत वन क्षेत्र वाला जिला है। वन रिपोर्ट 2021 के अनुसार न्यूनतम प्रतिशत के आधार पर जोधपुर प्रथम तथा चुरू द्वितीय स्थान पर है। राजस्थान वन क्षेत्र के अंतर्गत भारत में 15वाँ स्थान रखता है।

1987. कौन से वृक्ष से 'चारकोल' बनाया जाता है?

(a) बबूल (b) पीपल
(c) धोकड़ा (d) पलाश

LDC Exam 16.09.2018

Ans. (a) 'चारकोल' बबूल के वृक्ष से बनाया जाता है। चारकोल कार्बन का अशुद्ध रूप है। इसका उपयोग जलाने में, अवकारक के रूप में, बारूद बनाने में, कीटाणु को नष्ट करने में किया जाता है। यद्यपि आयोग ने इस प्रश्न को Delete कर दिया था।

1988. राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में सर्वाधिक वनाच्छादन है?

(a) बाँसवाड़ा, जैसलमेर, भीलवाड़ा
(b) टोंक, सीकर, गंगानगर
(c) पाली, सिरोही, बाड़मेर
(d) बारां, चित्तौड़गढ़, उदयपुर

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020
RPSC, RAS/RTS 2008

Ans. (d) इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट-2021 के अनुसार राजस्थान में लगभग 32864.62 वर्ग किमी. का वन क्षेत्र दर्ज किया गया है। राजस्थान में सर्वाधिक वनाच्छादन वाले जिलों का क्रम निम्नवत् है-

(1) उदयपुर - 2753.39 वर्ग किमी.
(2) अलवर - 1195.91 वर्ग किमी.